

DPL-01

December – Examination 2021

Diploma in Prakrit Language Examination

प्रमुख प्राकृत भाषाएँ एवं प्राकृत
साहित्य की विविध विधाएँ

Paper : DPL-01

Time : 1½ Hours]

[Maximum Marks : 100

Note :- The question paper is divided into two Sections A and B. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section-A

5×4=20

(Very Short Answer Type Questions)

Note :- Answer any *five* questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 4 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. (i) पैशाची प्राकृत की वर्णमाला में स्वरों का नामोल्लेख कीजिए।
- (ii) 'अष्टपाहुड' किस कवि की रचना है ?
- (iii) 'पुच्छित्था' में क्रिया एवं प्रत्यय बताइए।
- (iv) दिगम्बर जैनागम किस भाषा में लिखे गए ?
- (v) डॉ. हार्नली के अनुसार महाराष्ट्री का क्या अर्थ है ?
- (vi) कृदन्त किसे कहते हैं ?
- (vii) विमलसूरि का काल कौनसा है ?
- (viii) नायिका प्रधान चरित काव्य का नाम लिखिए।
- (ix) रूपक की दस विधाएँ कौनसी हैं ? नाम लिखिए।
- (x) कवि राजशेखर कृत प्राकृत रचना का नाम लिखिए।

Section-B

4×20=80

(Short Answer Type Questions)

Note :- Answer any four questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 20 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. चरित्र काव्य की दृष्टि से पउमचरित की समीक्षा कीजिए।
3. अर्धमागधी प्राकृत की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
4. शौरसेनी नामकरण का क्या हेतु है ? विवेचन कीजिए।
5. महाराष्ट्री व्याकरण ग्रन्थों पर एक लेख लिखिए।
6. भास रचित स्वप्नवासवदत्त में प्राकृत के प्रयोग विषय पर प्रकाश डालिए।
7. सेतुबन्ध महाकाव्य में प्रकृति-चित्रण का वर्णन कीजिए।
8. गडडवहो महाकाव्य में मुख्य रस कौनसा है ? लेख लिखिए।
9. लीलावई में छन्दविधान को संक्षेप में समझाइए।